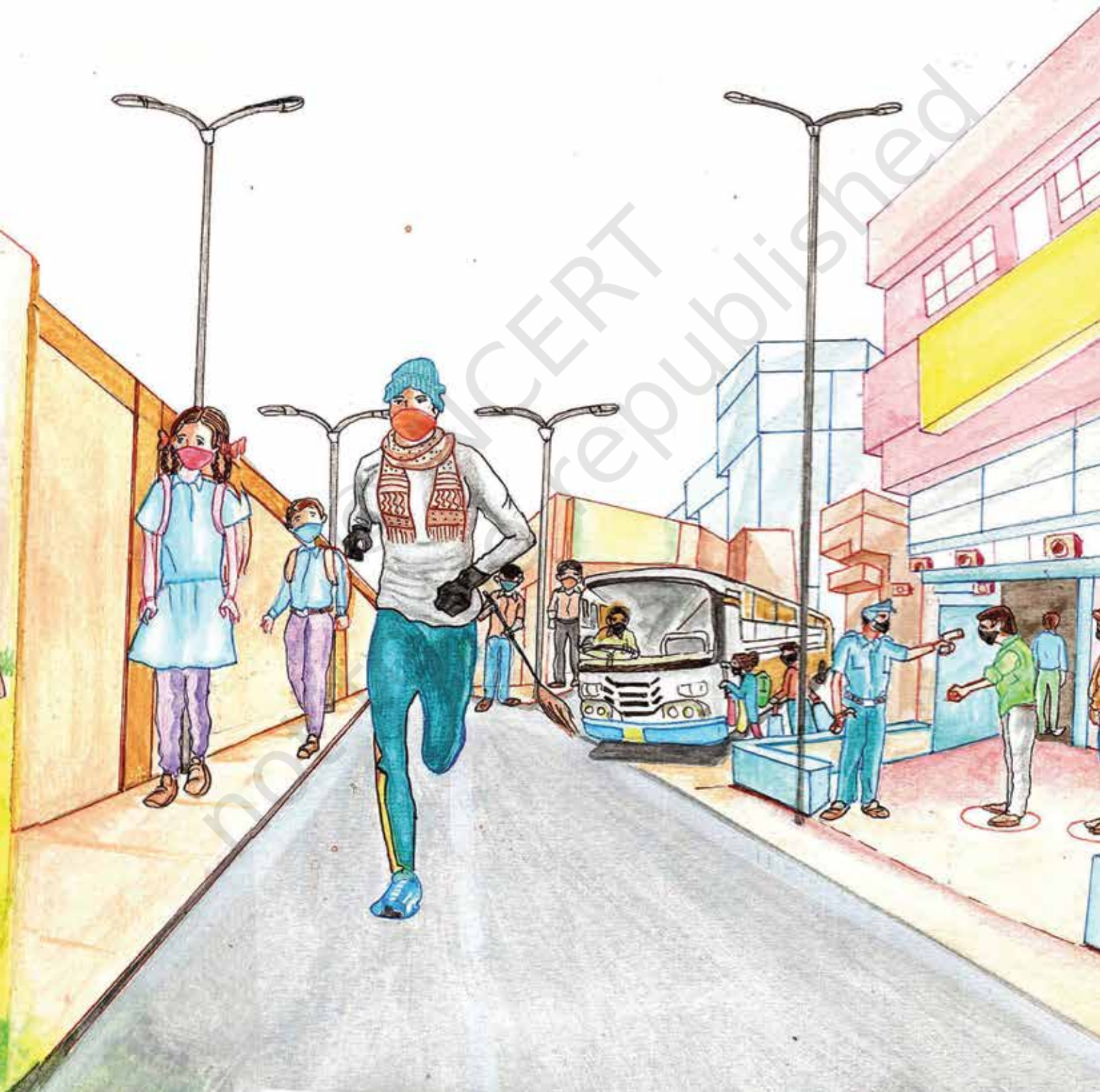


बातचीत के लिए

1. आप समय के बारे में कुछ बताइए — सुख का समय या दुख का समय। 2. कोविड-19 के समय क्या आपने किसी की मदद की? 3. कोविड-19 के समय आई परेशानियों से आपने क्या सीखा? 4. मास्क लगाना क्यों ज़रूरी है? चर्चा कीजिए। 5. हैंड सेनेटाइज़र के इस्तेमाल का क्या महत्व है? चर्चा कीजिए।





9

समय-समय की बात

हम सीखेंगे

- दो अंकीय संख्याओं का गुणन
- समय की माप (घंटा, मिनट, सेकेंड)
- समय का महत्व
- समय की माप का उपयोग करना (12 और 24 घंटे वाली घड़ी)

नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए—

समय	दिन	काल	ज़माना
युग	घड़ी	सप्ताह	साल
महीना	तिथि	रात	कैलेंडर
सुबह	शाम	दोपहर	वक्त

शिक्षक-निर्देश— समय से जुड़े शब्दों के बारे में बातचीत करें। इनसे जुड़ी कुछ कहावतें या मुहावरे खोजने का प्रयास करें।

■ मिलकर पढ़िए और बातचीत कीजिए—

हाँजी नाजी

बात तब की है जब हाँजी और नाजी दोनों बेरोज़गार थे। दोनों सुबह से शाम तक नौकरी की तलाश में भटकते रहते थे। नौबत ऐसी आ गई कि बस दो वक्त की रोटी मिल जाए तो वे कुछ भी करने को तैयार थे। उन्हीं दिनों शहर में एक सर्कस आया। सर्कसवालों ने स्थानीय अखबार में विज्ञापन छपवाया कि उन्हें कुछ दिनों के लिए कुछ आदमियों की ज़रूरत है। इच्छुक व्यक्ति सुबह दस बजे होटल मानसरोवर में संपर्क करें। साढ़े दस बजते-बजते नाजी पहुँच गए।



सर्कसवालों ने कहा, “देखो भाई, बात यह है कि हमारा बंदर बीमार पड़ गया है। उसकी जगह तुम्हें बंदर की खाल पहनकर थोड़ी देर के लिए बंदर बनना पड़ेगा। एक दिन के साठ रुपये मिलेंगे।”

नाजी ने पूछा, “बंदर बनकर मुझे उछल-कूद करनी होगी?”

सर्कसवालों ने कहा, “हाँ, लेकिन शेर के पिंजरे में घुसकर। घबराओ नहीं। शेर तुम्हें कुछ नहीं करेगा।”

नाजी को डर तो बहुत लगा, लेकिन काम की सख्त ज़रूरत थी, इसलिए राजी हो गए।

अगले दिन बंदर की खाल पहनकर नाजी उछल-कूद करते हुए पहुँचे। दर्शक उन्हें देखकर बहुत खुश हुए और तालियाँ बजाने लगे। लेकिन जब शेर के पिंजरे में घुसने की बारी आई तो नाजी के हाथ-पैर जाम हो गए। उनसे एक कदम भी आगे नहीं बढ़ाया गया। बड़ी मुश्किल से तीन आदमियों ने मिलकर उन्हें शेर के पिंजरे में धकेला।

शेर को सामने देखकर नाजी की घिग्घी बँध गई। वह कोने से चिपक गए और थर-थर काँपने लगे। सू-सू निकल गया। धीरे-धीरे चलते हुए शेर उनके सामने तक आया। उसने अपना मुँह नाजी के मुँह से सटाया और बोला, “घबरा मत। मैं हाँजी हूँ। तू साढ़े दस पर पहुँचा, मैं तो पौने दस बजे ही पहुँच गया था। उस वक्त शेर की पोस्ट खाली थी।”

— स्वयं प्रकाश

(स्रोत— साइकिल, बच्चों का दुपहिया)

■ बातचीत कीजिए—

- प्रश्न 1. अब सर्कस का पहले जैसा चलन नहीं रहा। इसके क्या कारण हो सकते हैं?
- प्रश्न 2. ऐसे और कौन-कौन से खेल-तमाशे हैं जिनका कुछ समय पहले तक काफ़ी चलन था, पर अब नहीं है। ऐसा क्यों है?
- प्रश्न 3. बेरोज़गारी के चलते हाँजी और नाजी को सर्कस में काम करना पड़ा। आज के समय में रोज़गार के अवसर बढ़े हैं या घटे हैं? कैसे?
- प्रश्न 4. आज के समय में भी कुछ लोग स्त्रियों का घर से बाहर जाकर नौकरी करना पसंद नहीं करते हैं। आपकी इस बारे में क्या राय है और क्यों?
- प्रश्न 5. अक्सर लोगों को ऐसे कामों में जीवन खपाना पड़ता है, जो वे नहीं करना चाहते। ऐसा क्यों है और क्या इस बात का कोई समाधान हो सकता है?

■ अपने मनपसंद कार्य के बारे में बताइए और लिखिए—

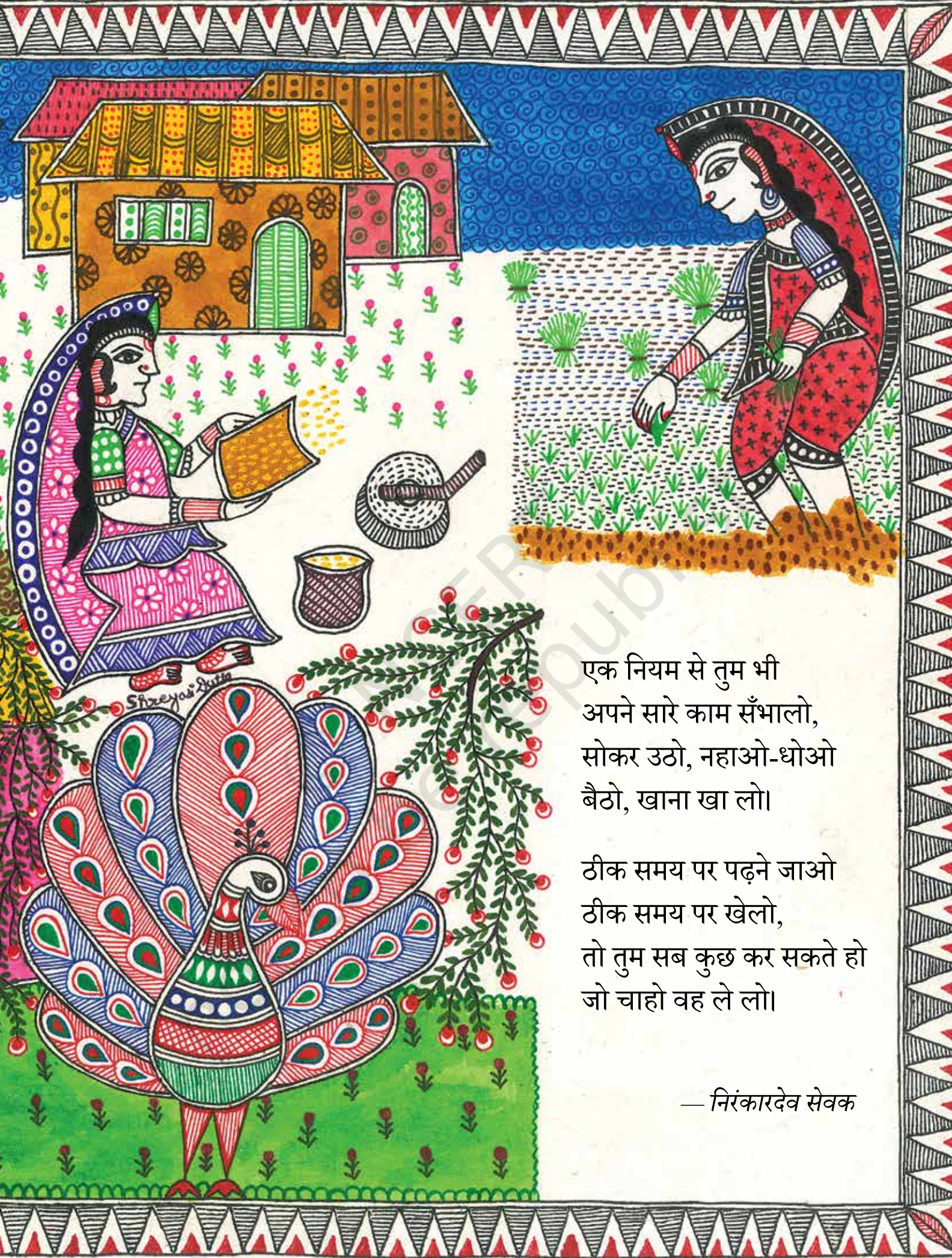


ठीक समय पर

एक नियम से रोज सवेरे
सूर्य निकल आता है,
एक नियम से घटता-बढ़ता
चंदा मुसकाता है।

एक नियम से तारे धुँधले
पड़कर फिर खिल जाते हैं,
एक नियम से नदियाँ-नाले
सागर में मिल जाते हैं।





एक नियम से तुम भी
अपने सारे काम सँभालो,
सोकर उठो, नहाओ-धोओ
बैठो, खाना खा लो।

ठीक समय पर पढ़ने जाओ
ठीक समय पर खेलो,
तो तुम सब कुछ कर सकते हो
जो चाहो वह ले लो।

— निरंकारदेव सेवक

■ पढ़िए और लिखिए—

प्रश्न 1. समय शब्द का इस्तेमाल करते हुए एक वाक्य बनाया गया है। नीचे दिए गए शब्दों को इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाकर लिखिए—

समय	जो समय की कद्र नहीं करता, समय उसकी कद्र नहीं करता।
ज़माना	
काल	
युग	
दिन	

प्रश्न 2. नीचे दिए गए गीत में समय पर काम करने पर बल दिया गया है—

एक नियम से तुम भी
अपने सारे काम सँभालो,
सोकर उठो, नहाओ-धोओ
बैठो, खाना खा लो।

आप कौन-से काम समय पर कर पाते हैं और कौन-से नहीं? कारण भी बताइए।

प्रश्न 3. कोई एक काम जो आप दिए गए समय में करेंगे या करना चाहेंगे —

आज	
कल	
इस सप्ताह	
इस महीने	
इस साल	

■ मेरे शब्द —

- हमारी बातों में समय कब और कहाँ, कैसे आता है, पढ़िए—

समय का फ़ेर

अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

समय खराब चल रहा है

समय-समय की बात है

बीता समय वापिस नहीं आता

काल करे सो आज कर

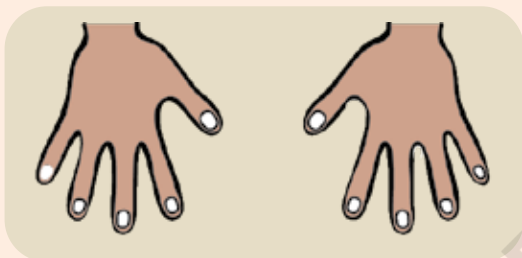
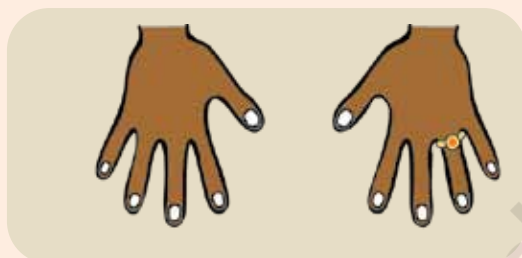
इस तरह के कुछ और वाक्य बताइए जिनमें समय का ज़िक्र हो।

- आओ गिनें अपने हाथों की अँगुलियाँ—



दो हाथों में कुल अँगुलियाँ $2 \times 5 = 10$

■ 12 हाथों में कितनी अँगुलियाँ?



12 बार 5 यानी

12×5 या 12

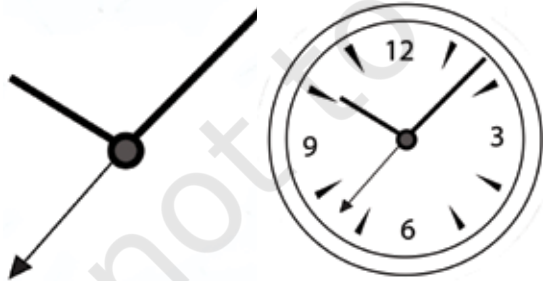
$\times 5$

■ आइए, घड़ी से समय देखना सीखें —

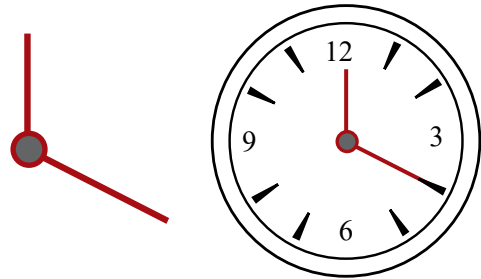
आमतौर पर घड़ी के डायल पर 12 अंक होते हैं। हर दो अंकों के बीच 4 छोटी-छोटी लाइनें होती हैं।



- पूरे डायल पर कुल कितनी लाइनें हैं? गिनकर लिखिए। _____ लाइनें
- घड़ी के डायल पर दो या तीन तरह की सुइयाँ घूमती हैं।



तीन सुइयों वाली घड़ी



दो सुइयों वाली घड़ी

- सबसे मोटी और छोटी सुई घंटे की सुई है। यह घंटे बताती है।
घंटे की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर एक घंटे में पहुँचती है। यह 12 घंटे में पूरे डायल का एक चक्कर लगाती है। 24 घंटे या एक दिन में यह पूरे डायल के कितने चक्कर लगाती है? _____
- उससे पतली और लंबी सुई मिनट की है। यह मिनट बताती है।
मिनट की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर पाँच मिनट में पहुँचती है। यह 60 मिनट में पूरे डायल का एक चक्कर लगाती है।
- सबसे पतली और लंबी सुई सेकेंड की है। यह सबसे तेज़ चलती है। यह सेकेंड बताती है।



घड़ी में 2 बजे हैं।



घड़ी में 5 बजे हैं।

60 मिनट पूरे होने पर एक घंटे का समय होता है।

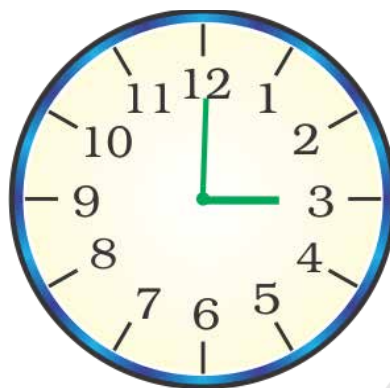
3 घंटों में कितने मिनट होंगे?

$$3 \times 60 \text{ या } 60$$

$$\times 3$$

घड़ी में कितने बजे...

जब मिनट की सुई 12 पर हो तो घंटे की सुई जिस भी अंक पर होगी, उतने ही बजे होंगे, जैसे— अगर घंटे की सुई 3 पर और मिनट की सुई 12 पर होगी तो तीन बजेंगे।



बारह बजे हैं।



_____ बजे हैं।



_____ बजे हैं।



_____ बजे हैं।



_____ बजे हैं।



बजकर _____ मिनट



बजकर _____ मिनट



बजकर _____ मिनट

शिक्षक-निर्देश — सहभागियों को प्रेरित करें कि वे घड़ी में समय देखकर बताना सीखें। समय के मापन और घंटे, मिनट, सेकेंड के आपसी संबंध को समझें। यह बताया जा सकता है कि यदि मिनट की सुई 1 पर है तो 5 मिनट होंगे, ऊपर है तो 15 मिनट होंगे। इसका अर्थ हुआ कि जिस अंक पर मिनट की सुई होगी, उसको 5 से गुणा करना होगा।

डिजिटल घड़ियाँ

- डिजिटल घड़ियों में समय सीधा ही लिखा होता है। रेलवे स्टेशन, मोबाइल फ़ोन आदि में डिजिटल घड़ियाँ होती हैं।
- बताइए, इन घड़ियों में कितना समय हुआ है?



06:40

___ बजकर ___ मिनट

07:45

___ बजकर ___ मिनट

12:45

___ बजकर ___ मिनट

06:20

___ बजकर ___ मिनट

■ आइए, अब करके देखते हैं; पहले अनुमान लगाएँ और फिर घड़ी के प्रयोग से पता लगाएँ।

- खाना खाने में आपको कितना समय लगता है? मिनट
- नहाने में आपको कितना समय लगता है? मिनट
- रात में, मैं बजे सोती/सोता हूँ और सुबह बजे जाग जाती/जाता हूँ। मैं घंटे सोती/सोता हूँ।
- गाँव का स्कूल बजे लगता है एवं बजे बंद होता है। स्कूल घंटे लगता है।

शिक्षक-निर्देश— सहभागियों को सुझावों वाली व डिजिटल घड़ी में समय देखने एवं बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

किसान की सुबह

सुबह 6 बजे  से किसान घास काटना शुरू करके उसके छोटे-छोटे गट्टे बनाता। जब 5 छोटे गट्टे बन जाते तो उन पाँचों को बाँधकर बड़ा गट्टा बना लेता था। 7 बजे  तक घास काटकर, 15 मिनट बाद घर पहुँच जाता था। सुबह 6 बजे से लेकर 7 बजे तक उसने घास के 4 बड़े गट्टे बना लिए थे।

- उसने घास काटकर कितने छोटे गट्टे बना लिए हैं?
 इसे × भी लिख सकते हैं।
- वह घर कितने बजे वापस पहुँचा था? सुबह बजे  इस समय को घड़ी में दर्शाते हैं—
- किसान ने घास काटना कितने बजे शुरू किया था? सुबह बजे
- किसान ने घास की कटाई कितने बजे तक की? सुबह बजे
- घास काटने में किसान को कितना समय लगा? घंटा = मिनट
- घास काटने और घर वापस पहुँचने में किसान को कुल समय लगा—
1 घंटा + 15 मिनट = मिनट

शिक्षक-निर्देश — दैनिक जीवन के कार्यों में लगने वाले समय के कई उदाहरणों को लेकर चर्चा कीजिए।

■ मेरे शब्द—

© NCERT
not to be republished